RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार, 23 फरवरी 2023 | वर्ष 04 | अंक 265 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में शिवसेना विवाद:
'मोदी को भ्रम है कि सत्ता उनके हाथ में ही रहेगी'- पवार

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे-उद्धव ठाकरे के बीच 'शिवसेना' को लेकर विवाद में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने बड़ा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने इलेक्शन कमीशन के फैसले पर भी सवाल उठाए हैं। पवार ने कहा, 'चुनाव आयोग ने वही फैसला दिया है, जो मोदी सरकार चाहती थी। अन्य संस्थाएं भी वही फैसले दे रही हैं, जो सत्ताधारी सरकार की मंशा होती है। आज देश में मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे संगठन को लगता है कि सत्ता उनके हाथ में रहेगी।

हमने कभी चुनाव आयोग का ऐसा फैसला नहीं देखा

एनसीपी अध्यक्ष ने कहा, 'चुनाव आयोग ने कुछ दिन पहले एक फैसला दिया था। यह एक उदाहरण है कि कैसे एक संस्था का दुरुपयोग किया जा सकता है। हमने चुनाव आयोग का ऐसा फैसला कभी नहीं देखा। बालासाहेब ठाकरे ने अपने आखिरी दिनों में कहा था कि उनके बाद उद्धव ठाकरे को शिवसेना की जिम्मेदारी दी जाएगी।' उन्होंने कहा कि कोई चुनाव आयोग से शिकायत करता है। इसके बाद चुनाव आयोग फैसला सुनाता है। आयोग ने इस पार्टी को बनाने वालों में से किसी और को चुनाव चिन्ह और शिवसेना नाम आवंटित कर दिया। यह राजनीति दलों पर सबसे बड़ा हमला है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से किया इंकार

शिवसेना नाम और निशान विवाद को लेकर बुधवार को उद्धव ठाकरे की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि शिंदे गुट ने चुनाव आयोग के सामने खुद को साबित किया है। ऐसी स्थिति में हम चुनाव आयोग के आदेश पर रोक नहीं लगा सकते हैं। कोर्ट ने उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट को नोटिस जारी कर 2 हफ्ते में जवाब मांगा है।

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका !

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगाने से किया इनकार

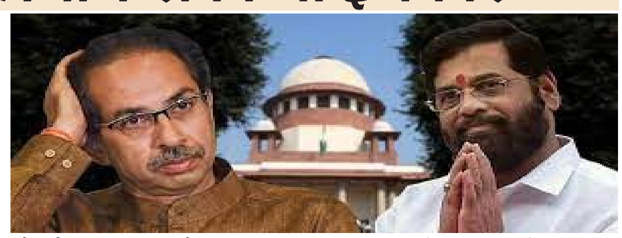

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को शिवसेना पर भारत के चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसका अर्थ है कि पार्टी का नाम और धनुष-बाण का प्रतीक एकनाथ शिंदे के गुट के पास रहेगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे की याचिका पर शिंदे समूह और चुनाव आयोग को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका पर दो हफ्ते बाद फिर से सुनवाई होगी।

एउ के आदेश पर रोक लगाने से इनकार

उद्धव ठाकरे गुट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत के लिए आग्रह किया, लेकिन शीर्ष अदालत ने इससे इंकार कर दिया। इस पर बेंच ने कहा, कुछ ऐसा है जो आदेश का एक हिस्सा है जिस पर हम निर्णय ले सकते हैं। हम इस स्तर पर आदेश पर रोक नहीं लगा सकते हैं। सीजेआई ने कहा, वे ईसीआई के समक्ष सफल हुए हैं। आगे की कोई भी कार्रवाई चुनाव आयोग के आदेश पर आधारित नहीं है। फिर आपको (उद्धव गुट) कानून के अन्य उपायों का पालन करना होगा। कपिल सिब्बल ने कोर्ट में बताया कि, चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी है। उन्होंने आशंका जताई कि अगर आगामी सत्र में व्हिप जारी किया गया तो ठाकरे गुट के विधायक अयोग्य हो सकते हैं। वहीं, शिंदे समूह ने कोर्ट में भरोसा दिया है कि अगले दो हफ्ते तक ऐसा कोई फैसला नहीं लिया जाएगा।

अंधेरी में बेस्ट की बस में लगी आग, कोई घायल नहीं

मुंबई : मुंबई में आग लगने की घटना लगातार जारी है। मुंबई के अंधेरी स्टेशन के पास बेस्ट की बस में अचानक आग लग गई। आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर फिलहाल नहीं है। वहीं मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू करने के प्रयास में हैं। मुंबई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहीं हैं। बस में लगी आग की घटना में किसी के घायल होने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। आगे की जानकारी के लिए बने रहें।

ठाणे के एक रेस्तरां में लगी भीषण आग
तीन कर्मचारी झुलसे... कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

मुंबई : मुंबई के ठाणे इलाके में भीषण आग लग गई है। नगर निकाय अधिकारियों की जानकारी के मुताबिक,ये आग ठाणे के घोड़बंदर रोड स्थित एक रेस्तरां में लगी है। बुधवार सुबह हुई इस भीषण घटना में रेस्तरां के तीन कर्मचारियों झुलस गए वहीं, अन्य तीन लोगों को बचा लिया गया है।

दमकल कर्मचारी मौके पर पहुंचे

बता दें कि आज सुबह करीब 8 बजे एक मंजिला रेस्तरां में आग लग गई। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय दमकल इकाई और आरडीएमसी के कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। करीब एक घंटे के मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। सावंत ने कहा कि रेस्तरां के तीन कर्मी झुलस गए हैं। उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया और उनका इलाज जारी है।'

तीनों कर्मचारियों की हालत में सुधार

अविनाश सावंत ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि तीनों कर्मचारियों की हालत गंभीर नहीं है। कोई चिंता करने की बात नहीं है। सावंत ने कहा कि दमकल कर्मियों ने घटनास्थल से आठ एलपीजी (रसोई गैस) सिलेंडर सुरक्षित तरीके से हटा लिए है। अधिकारी आग लगने के कारण का पता लगा रही है।

एक अन्य मामले में मुंबई के कमला नगर की झुग्गियों में आग लग गई है। मौके पर दमकल की दस गाड़ियां मौजूद हैं और आग बूझाने में जुटी हुई है। इस बीच, 20 फरवरी की सुबह ठाणे शहर में एक गैरेज में आग लग गई, जहां मोटर वाहन के पुर्जे और अन्य सामान रखे हुए थे।

मॉर्निंग वॉक पर गई 2 महिलाओं को वाहन ने कुचला

मौके पर ही हुई दर्दनाक मौत...!

पुणे : पुणे जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। बारामती-इंदापुर मार्ग पर मॉर्निंग वॉक पर जा रही दो महिलाओं को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात चालक मौके से फरार हो गया। यह घटना इंदापुर रोड पर बारामती जंक्शन पर हुई। इस मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इस भीषण हादसे में अपनी जान गंवा चुकी महिलाओं के नाम अनीता शिवाजी शिंदे और अर्चना श्रीशैल्य सनमत हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिकों सहित पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों महिलाओं के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक अनीता और अर्चना दोनों रोज सुबह मॉर्निंग वॉक पर जाती थीं। वह हमेशा की तरह आज सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थी। लेकिन, जब वह बारामती-इंदापुर मार्ग पर जा रही थी, तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने इन दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों महिलाएं सड़क किनारे जा गिरी। इस हादसे में दोनों महिलाओं के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई थी। जिस वजह से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

विदेशी हाथ

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति दुराग्रह से भरी हुई बीबीसी डाक्यूमेंट्री का उल्लेख करते हुए यह जो कहा कि भारत में अभी भले ही चुनाव का माहौल न बना हो, लेकिन लंदन और न्यूयार्क में बनने लगा है, वह एक यथार्थ है। इसका उदाहरण केवल बीबीसी की शरारतपूर्ण डाक्यूमेंट्री ही नहीं, अमेरिकी निवेशक जार्ज सोरोस का भारत में अनुचित हस्तक्षेप के इरादे से लैस कथन भी है। आश्चर्य नहीं कि अदाणी समूह को लेकर आई अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट भी उसी अभियान का हिस्सा हो, जो मोदी सरकार के विरुद्ध भारत के बाहर बनाया जा रहा है। चूंकि आगामी लोकसभा चुनाव निकट आ रहे हैं, इसलिए इसके भरे-पूरे आसार हैं कि मोदी सरकार को निशाना बनाने और साथ ही भारत को नीचा दिखाने का काम और तीव्र हो सकता है। इसमें पश्चिमी मीडिया के उस हिस्से का भी योगदान होगा, जो पहले से ही मोदी सरकार के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। वह अपने इस पूर्वाग्रह का प्रदर्शन करता ही रहता है। यह भी तय है कि विदेशी मीडिया और उसकी विभिन्न संस्थाओं की ओर से भारत के बारे में जो दुष्प्रचार किया जाएगा, उसे भारत में भी दोहराया जाएगा। इसमें राजनीतिक दलों, वामपंथी बुद्धिजीवियों के साथ मीडिया के उस हिस्से की भी भूमिका होगी, जो इस मानसिकता से ग्रस्त है कि पश्चिम जो कहे, वही सही। इसकी आशंका इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि पहले नागरिकता संशोधन कानून विरोधी आंदोलन और फिर कृषि कानून विरोधी मुहिम को किस तरह विदेश से भी हवा दी गई।

पिछले कुछ समय से पश्चिमी देशों में खालिस्तानी चरमपंथी जिस तरह सिर उठा रहे हैं, उसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि खालिस्तानी तत्वों को पश्चिम की वे ताकतें हवा दे रही हैं, जो भारत की छवि मलिन करने का बहाना खोजती रहती हैं। ये वही ताकतें हैं, जो भारत के उभार से सशंकित हैं और उसे आगे बढ़ता हुआ नहीं देखना चाहतीं। इनमें कुछ गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनकी ओर विदेश मंत्री ने संकेत किया। यह ध्यान रहे कि अतीत में पश्चिम के ऐसे कुछ संगठनों ने किस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोशिश की है। ऐसे संगठनों से भारतीयों का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष जुड़ाव कोई दबी-छिपी बात नहीं और न ही यह कि उनका संपर्कझ्रसंबंध कुछ राजनीतिक दलों से भी है। अब जब सरकार यह अच्छे से जान रही है कि उसके खिलाफ पश्चिमी शक्तियां सक्रिय हो चुकी हैं और आने वाले समय में अपना दुष्प्रचार तेज कर सकती हैं, तब न केवल उसे, बल्कि देश के लोगों को भी सावधान रहना होगा। इसके साथ ही सरकार को अपने खिलाफ किए जा रहे सुनियोजित दुष्प्रचार की काट करने के लिए भी सक्रिय होना होगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

करोड़पति लोगों से करता था ठगी

IIT इंजीनियर, MBA पास गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा किया है जो मुंबई के करोड़पति लोगों को अपना निशाना बनाता था. कंपनी के मालिक, सीईओ, नामी कंपनी के सीएफओ को टारगेट करने वाली ठगों की टोली के खिलाफ सिर्फ मुंबई और नवी मुंबई में 16 मामले दर्ज हैं. चौंकाने वाली बात ये है की सभी आरोपी हाई डिग्री होल्डर हैं जिसमें आईआईटी अहमदाबाद के इंजीनियर, एमबीए, एमसीए, मैकेनिकल इंजीनियर, होटल मैनेजमेंट पढ़े हुए आरोपी शामिल हैं. साइबर फ्रॉड करने वाले इन शातिर पढ़े-लिखे आरोपियों सलाखों के पीछे हैं. मुंबई पुलिस की साइबर सेल की विशेष टीम की गिरफ्त में आया जॉन डेविड होटल

मैनेजमेंट ग्रेजुएट, नंदकुमार चंद्रशेखर पढ़ाई में एमसीए, पवाथरानी पार्थ सारथी पढ़ाई में ऐमबीए, अयैप्पन मुरूगसेन मैकेनिकल इंजीनियर प्रेमसागर रामस्वरूप स्टूडेंट है और एक फरार आरोपी आशीष रवींद्र नाथन जो आईआईटी अहमदाबाद से इंजीनियर है. अब जब एक गैंग में इतने पढ़े-लिखे शातिर जुड़ जाए तो निशाना भी बड़ा होता है. इस गैंग के पकड़े जाने से मुंबई में साइबर अपराध के ऐसे 16 गुनाह के केस सुलझा लिए जिसके लिए मुंबई पुलिस साइबर सेल दिन रात इनके ठगी के तरीके को समझने में पसीना बहा रही थी. मुंबई पुलिस के साइबर सेल के डीसीपी डॉ. बलसिंह राजपूत ने बताया यह गैंग टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट और क्रिएटिविटी का अनोखा शातिर ग्रुप है. ये गैंग बेहद शातिर तरीके से उन पैसे वाले लोगों को निशाना बनाता था जो खुद कंपनी के मलिक या किसी बड़े पद पर नौकरी करते हो. गैंग के सभी सदस्यों को एक कॉर्पोरेट कंपनी की तरह काम सौंपे गए थे. अपने-अपने काम में अब माहिर खिलाड़ी हैं.

डीसीपी डॉ. बलसिंह राजपूत ने बताया,

इस गैंग का एक शख्स उन अमीरों की लिस्ट निकालता था जो इनके टारगेट बनते थे. मुंबई में जो लोग नई कार खरीदते थे उनका डिटेल इनके पास आ जाता था. सेल्स या मार्केटिंग के लोगों से मिलीभगत से यह जानकारी इकट्ठा करते थे.

ट्रेनों में यात्रियों को 3 रुपए में मिलने वाली रोटी के अब 10 रुपए चुकाने होंगे!

मुंबई : जहां एक तरफ सीजन के चलते लोग जल्द से जल्द ट्रेन द्वारा अपने घरों और परिचितों के पास जाने को लालायित हैं। दूसरी तरफ यात्रा करने वाले यात्रियों को भारतीय रेलवे रोटी-रोटी के लिए मोहताज करने वाली है। केंद्र सरकार द्वारा रोटी आपातकाल लागू किया गया है। जैसा कि रेलवे ने होली से पहले ट्रेनों में मिलनेवाली रोटी के दाम में तीन गुना बढ़ोतरी किया है। ट्रेनों में यात्रियों को ३ रुपए में मिलने वाली रोटी के अब १० रुपए दाम चुकाने होंगे। दरअसल, आईआरसीटीसी ने पैंट्रीकार में मिलने वाले खाने-पीने के सामानों के दाम बढ़ा दिए हैं।

आईआरसीटीसी ने पूर्व मध्य रेलवे पर चलने वाली ट्रेनों में खाने-पीने की सभी वस्तुओं के दाम में २ रुपए से लेकर २५ रुपए तक की बढ़ोतरी की है। इसके अलावा आईआरसीटीसी ने उन ७० चीजों की लिस्ट जारी की है, जिनकी कीमतों में बदलाव हुआ है। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार हुआ है। इसलिए खाने-पीने की चीजों में भी इजाफा हुआ है। ब्रेड, दाल, डोसा, सैंडविच सहित कई फूड आइटम महंगे हो गए हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा ७० व्यंजनों की नई टैरिफ लिस्ट जारी की गई है। इस रेट लिस्ट के अनुसार, अब समोसा १० रु. में मिलेगा, वहीं सैंडविच के दाम २५ रुपए तय किए गए हैं। बर्गर ५० रुपए, ढोकला सौ ग्राम ३० रु., पनीर पकोड़ा २५ रु., आलू बड़ा १० रु., आलू चॉप २० रु., मसाला डोसा ५० रु., गुलाब जामुन २० रुपए में मिलेगा। इससे पहले ट्रेनों में पैंट्रीकार से अलग से रोटी लेने पर तीन रुपए रेल यात्रियों को देने पड़ते थे लेकिन अब यात्रियों को १० रुपए की एक रोटी मिलेगी। अभी तक पैंट्रीकार से मिलने वाली थाली में दो रोटी मिलती थी और चावल नहीं लेने पर दो रोटी और दी जाती थी। ट्रेनों में मिलने वाले भोजन के दाम में अंतिम बदलाव का वर्ष २०१९ में हुआ था। रेलवे बोर्ड से जारी एक सर्कुलर के मुताबिक, उस समय वेज नाश्ते का दाम ४० रुपए, नॉनवेज नाश्ते का दाम ५० रुपए, स्टैंडर्ड वेज मील का दाम ८० रुपए और स्टैंडर्ड नॉनवेज मील का दाम ९० रुपए कर दिया गया था। यदि कोई चिकन करी के साथ वेज मील मांगता है तो उसकी कीमत १३० रुपए कर दी गई थी।

घाटकोपर में पत्नी ने पति को बेरहमी से पीटा...

मुंबई : शादी की सालगिरह किसी भी जोड़े के लिए बेहद खास दिन होता है। इस शुभ अवसर पर जोड़े अपनी शादी की सालगिरह पर एक-दूसरे को बधाई देने की विस्तृत योजना भी बनाते हैं। लेकिन घाटकोपर में शादी की सालगिरह को भूल जाना एक पति को महंगा पड़ गया। यहां पर 27 1 वर्षीय एक महिला ने अपने भाई और माता-पिता के साथ अपने पति और सास को इसलिए जमकर पीटा क्योंकि उसका पति अपनी शादी की सालगिरह भूल गया था। यह घटना 18 फरवरी को हुई थी।

सोलापुर जिले में तीन महिलाओं की पत्थर से कुचलकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : दक्षिण-पश्चिमी महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मंगलवेधा कस्बे में मंगलवार शाम एक ही परिवार की तीन महिलाओं की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मानसिक रूप से विक्षिप्त एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में

लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, नंदेश्वर गांव के लावटे वस्ती में एक परिवार की तीन महिलाओं के सिर पत्थर से कुचले हुए पाए गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

अशोक चव्हाण व संजय राऊत मामले की हो जांच - नाना पटोले

मुंबई : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की जासूसी करने के अलावा उनकी हत्या की साजिश का पता चला है। उधर, बताया जा रहा है कि शिवसेना सांसद संजय राऊत को जान से मारने की सुपारी दी गई है। ऐसे में क्या इस तरह की साजिश कर सत्ताधारी दल, विपक्ष को खत्म करना चाहता है? ऐसा सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने किया है।

इस संबंध में आगे बोलते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि एक निजी व्यक्ति उन पर नजर रख रहा है और उनकी हत्या करने की साजिश रची जा रही है। आखिर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के पीछे किसी व्यक्ति को किस मकसद से लगाया जा रहा है? पुलिस और राज्य सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का काम करना चाहिए। पटोले ने कहा कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रवक्ता संजय राउत ने भी यह शिकायत की है कि उन्हें जान से मारने के लिए सुपारी दी गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग अगर विपक्ष को खत्म करने के लिए इस तरह का काम कर रहे हैं तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कलंक है। उन्होंने कहा कि शाहू, फुले और आंबेडकर के इस महाराष्ट्र में विरोधियों को खत्म करने की इस कोशिश को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में इस तरह की राजनीति पहले कभी नहीं हुई। अगर सत्ता में बैठे कुत्सित लोगों के इशारे पर ऐसी चीजें हो रही हैं तो यह राज्य के लिए बेहद भयावह है। राज्य सरकार को अशोक चव्हाण और संजय राउत के मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

नौकरी देने के नाम पर ऐसे किया करते थे ठगी

मुंबई पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को यूपी के इन शहरों से किया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के माटुंगा पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के नोएडा और लखनऊ से गिरफ्तार किया है. ये दोनों आरोपी बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के नाम पर पैसे लेकर गायब हो जाते थे. ऐसे ही एक पीड़ित ने अक्टूबर 2022 में माटुंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर इन दोनों की गिरफ्तारी हुई है.

1.78 लाख रुपये की ठगी से खुला मामला

मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी प्रवीण मुंडे ने बताया कि मुंबई पुलिस के माटुंगा पुलिस स्टेशन ने नोएडा और लखनऊ से विकास कुमार यादव और ऋषभ दुबे नाम के 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. ये दोनों आरोपी नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह में शामिल थे. ये लोग बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम ऐंठ कर गायब हो जाते थे. उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2022 में माटुंगा थाने में एक मामला दर्ज किया गया था. शिकायतकर्ता ने नौकरी के नाम पर 1.78 लाख रुपये की ठगी की शिकायत पुलिस से की थी.

आरोपियों के पास से मिले इतने सामान

डीसीपी मुंडे ने आरोपियों के पास से मिले सामान की जानकारी देते हुए कहा कि हमने आरोपियों से 3 लैपटॉप, 5 मोबाइल, 25 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 64 सिम कार्ड और 5 चेक बुक और पासबुक जब्त किए हैं. इसके साथ ही आगे की जांच जारी है. उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह से और कितने लोग जुड़े हुए हैं और इन लोगों ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है. गौरतलब है कि इन दिनों नौकरी के नाम पर ठगी का धंधा बहुत तेजी बढ़ रहा है. इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें आरोपी बाकायदा कॉल सेंटर बनाकर इस तरह की वारदात को अंजाम देते पकड़े गए थे.

पुलिस स्टेशन अंतर्गत क्षेत्र में 62 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति ने की खुदकुशी

विरार : स्थानीय पुलिस स्टेशन अंतर्गत क्षेत्र में एक 62 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पश्चिम क्षेत्र का रहने वाला सतीश नारायण गुजराथी (62) नामक वृद्ध व्यक्ति ने शराब के नशे में नायलोन की रस्सी की सहायता से गले में फंदा लगाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। इस हादसे में वह जमीन पर गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। आनन फानन में उसे उठाकर उपचार के लिए समीप के अस्पताल ले जाया गया, जहा उसकी मौत हो गयी.

मुंबई के धारावी झुग्गी बस्ती इलाके में भीषण आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई : मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि धारावी दमकल केंद्र के पास स्थित कमला नगर और शाहू नगर इलाकों में तड़के करीब सवा चार बजे कुछ झुग्गियों में आग लग गई। नगर प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि कम से कम 12 दमकल गाड़ियां, पानी के आठ टैंकर और अन्य दमकल वाहन आग बुझाने के अभियान में लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आग कुछ कच्चे मकानों तक सीमित है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और बृहमुंबई महानगरपालिका व अन्य एजेंसियों के कर्मी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है।

पटना, पुणे और मुंबई रेलवे स्टेशन से 101 गोल्ड बरामद...

अनोखा है तस्करी का तरीका

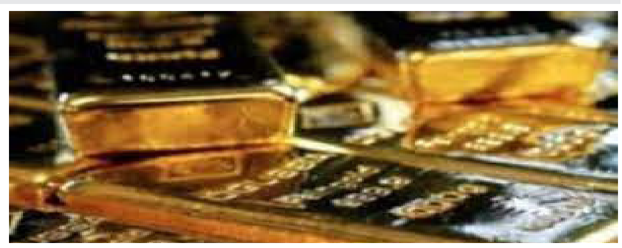

मुंबई : डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने सोने की बड़ी खेप बरामद की है। ये सोने की खेप देश में तीन प्रमुख शहरों से बरामद हुई है। इन शहरों से 101.7 किलोग्राम गोल्ड की बरामदगी की गई है। डीआरआई ने इन सोने की तस्करी करते हुए 10 लोगों को अरेस्ट किया है। जिसमें से सूडानी नागरिक हैं। ये लोग सोने की इस खेप को नेपाल बॉर्डर से तस्करी करके विभिन्न शहरों में ले जाया जा रहा था।

दरअसल, डीआरआई को यह सुचना मिली थी कि कुछ लोग नेपाल बॉडर के जरिए अवैध तरीके से सोने की तस्करी कर रहे हैं। इसके बाद टीम अलर्ट हुई और जब संघन जांच - पड़ताल तो यह मालूम चला कि ये लोग मुख्य रूप से देश के तीन शहरों में अवैध धंधा कर रहे हैं। जिसके बाद डीआरआई की टीम ने पटना, मुंबई और पुणे में छापेमारी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया। डीआरआई ने पटना रेलवे स्टेशन से 37 किलोग्राम, मुंबई के रेलवे स्टेशन से 38 किलोग्राम गोल्ड बरामद किया गया। बाकी का सोना मुंबई में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के दौरान मिला। साथ ही पुणे से भी बस में ले जाया जा रहा 5.6 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। जब्त सोने की कुल कीमत 51 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीआरआई ने बताया कि गोल्ड को अधिकतर पेस्ट के रूप में भारत-नेपाल सीमा के जरिए तस्करी कर पटना लाया गया है। इसके बाद यहां से रेल और हवाई मार्ग के जरिए मुंबई समेत देश के अलग - अलग शहरों में पहंचाया जा रहा था। डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि, इससे पहले भी इस मामले में तीन सूडानी नागरिकों को पकड़ा गया था। वे पटना जंक्शन से मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हुए थे। उनके पास 40 पैकेटों में 37.126 किलोग्राम वजन वाले सोने का पेस्ट बरामद किया गया। ये उन्होंने स्लीवलेस जैकेट के अंदर छुपा रखा था।

चाइनीज से शिमला मिर्च गायब हो जाएगी, साथ ही पावभाजी का स्वाद भी गड़बड़ाएगा!

पालघर : शहरों से लेकर गांवों के लोगों चाइनीज फूड्स बड़े ही चाव से खाते हैं। इसके अलावा पावभाजी को भी लोग पसंद करते हैं। इन दोनों के स्वाद में शिमला मिर्च चार चांद लगा देती है। अब चाइनीज से शिमला मिर्च गायब हो जाएगी, साथ ही पावभाजी का स्वाद भी गड़बड़ाएगा। दरअसल, पालघर जिले में इन दिनों हरा सोना कही जाने वाली हरी मिर्च और शिमला मिर्च की फसल पर ब्लैक थ्रिप्स कीट के अटैक से शिमला मिर्च बेजार हो गई है। इससे फसल चौपट हो गई है, जिससे किसानों का करोड़ों का नुकसान हुआ है लेकिन अब

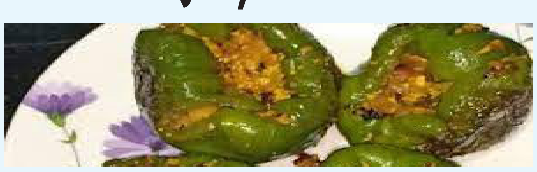

तक इसका कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है। इसके बावजूद किसानों की तरफ सरकार का ध्यान नहीं दे रही है। किसानों का कहना है कि पांच-छह साल पहले बहुत कम कीड़े लगते थे। इस पर नियंत्रण न होने के पीछे नकली कीटनाशक बड़ी वजह बताई जा रही है। इसकी वजह से किसानों ने पैसा भी लगाया और कीट पर नियंत्रण भी नहीं हुआ। पालघर, डहाणू, वानगांव, विक्रमगढ़, तलासरी और बोर्डी में हजारों एकड़ में मिर्च की खेती थ्रिप्स नामक कीड़े के अटैक से प्रभावित है। किसान नेताओं का कहना है कि अब तक सरकार की ओर से किसानों को हो रहे नुकसान के आकलन की कोई पहल नही हुई है, जबकि करीब दस हजार एकड़ में किसान हरी और शिमला मिर्च की खेती करते हैं। रोग के कारण बड़े पैमाने पर फसल बर्बाद हो रही है।

समुद्र के मीठे पानी के लिए मुंबईकरों का इंतजार फिर बढ़ा!

साल 2026 से मिलेगा 200 एमएलडी समुद्र का पानी

मुंबई: समुद्र के पानी को मीठा करने की परियोजना में एक साल का विलंब हुआ है, जिसके चलते मुंबईकरों को मनोरी प्रॉजेक्ट के तहत मीठे पानी के लिए अब वर्ष 2026 तक इंतजार करना पड़ेगा। पहले इस प्रॉजेक्ट के लिए वर्ष 2022 में ही ग्लोबल टेंडर जारी किया जाना था, लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के कारण यह प्रॉजेक्ट प्रभावित हो गया। बीएमसी प्रशासन ने साल 2025 तक इस प्रॉजेक्ट से मीठा पानी उपलब्ध

कराने का लक्ष्य रखा था, जिसे अब बढ़ाकर 2026 तक कर दिया गया है। बीएमसी ने वर्ष 2025 में समुद्र का मीठा पानी मुंबईकरों को पिलाने की योजना बनाई थी, लेकिन अब इसमें एक साल की देरी होगी। अब मुंबईकरों को वर्ष 2026 में मनोरी प्रॉजेक्ट से पानी मिल सकेगा। यह प्रॉजेक्ट 3 साल में पूरा होगा। बीएमसी ने मई 2022 में टेंडर जारी करने की योजना बनाई थी, लेकिन कोरोना संकट और सर्वे का काम पूरा न होने की वजह से टेंडर नहीं जारी हो सका। इस प्रॉजेक्ट को लेकर मंगलवार को बीएमसी मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें टेंडर प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मनोरी से प्रतिदिन 200 एमएलडी पानी मिलने की उम्मीद है। उसके बाद इस प्रॉजेक्ट से प्रतिदिन 400 एमएलडी पानी मिल सकेगा।

कंसल्टेंट ने पूरा किया सर्वे

बता दें कि बीजेपी के विरोध के बावजूद बीएमसी ने मालाड के मनोरी में समुद्र के पानी को मीठा करने की परियोजना को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस प्रॉजेक्ट के लिए नियुक्त कंसल्टेंट ने सर्वे का काम पूरा कर लिया है, जल्द ही इसका डीपीआर तैयार हो जाएगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि अगले महीने तक मनोरी प्रॉजेक्ट के लिए ग्लोबल टेंडर जारी करने की योजना है।

3520 करोड़ रुपये का प्रॉजेक्ट

अधिकारी ने कहा कि इस प्रॉजेक्ट पर 3520 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। ग्लोबल टेंडर निकालने से बीएमसी के पास कई विकल्प मौजूद होंगे। इससे क्वॉलिटी पर भी फोकस किया जा सकेगा। इस प्रॉजेक्ट के पूरा होने पर पहले चरण में प्रतिदिन 200 एमएलडी पानी मिलेगा, जबकि प्रॉजेक्ट के दूसरे चरण में 400 एमएलडी पानी आपूर्ति करने की योजना है। इस प्रॉजेक्ट के तहत बीएमसी समुद्र के पानी को पीने योग्य बनाने पर 1600 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जबकि अगले 20 वर्षों तक इसकी देखभाल और मरम्मत पर 1920 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बीएमसी प्रशासन मनोरी प्रॉजेक्ट के लिए एमटीडीसी से 12 हेक्टेयर जमीन लेगा।

नई मुंबई में २० वर्षीय युवक को उतारा मौत के घाट

नई मुंबई : नई मुंबई की कांदा, बटाटा बाजार के बाहर एक २० वर्षीय युवक की हत्या करके फरार हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। आरोपियों का युवक के साथ एक होटल में मामूली विवाद हुआ था, जिसके बाद उन लोगों ने युवक की चाकू से हत्या कर दी थी। मृतक की मां ने अज्ञात आरोपियों पर उसके बेटे को जान से मारने का मामला एपीएमसी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाया था। इसके बाद एपीएमसी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक माणिक नलावणे ने एक टीम का गठन कर आरोपियों को पकड़ने का आदेश दिया था। पुलिस टीम ने मृतक का मोबाइल और आस-पास लगे कई सीसीटीवी वैछमरों को तलाशा तो उसमें आरोपियों की पहचान हो गई। गुप्तचरों और अन्य तकनीकी जानकारियों के आधार पर पुलिस ने एक-एक कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि मृतक के साथ उनकी गाड़ी ओवरटेक को लेकर कहासुनी हुई थी, जिससे गुस्साए चार लोगों ने उसको मौत के घाट उतार दिया।

यूपी के टूरिज्म विभाग के उपनिदेशक पद पर रहे एक अधिकारी ने की आत्महत्या

मुंबई : उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का कामकाज सवालों के घेरे में रहा है। सूत्रों के अनुसार, मनमानी तरीके से चल रहे कामकाज के चलते कई अधिकारी योगी सरकार से परेशान हैं। मंगलवार को यूपी के टूरिज्म विभाग के उपनिदेशक पद पर रहे एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली। मुंबई के तिलक नगर में अपने फ्लैट की बालकनी से उन्होंने छलांग लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है। सूत्रों की मानें तो यूपी सरकार के दबाव से वे परेशान थे। दो महीने पहले उन्होंने इस्तीफा दिया था। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, विमलेश कुमार बनारसीदास आदित्य उम्र ५९ वर्ष तिलक नगर के प्लॉट नंबर २०४ बी विंग तारा गगन हाउसिंग सोसा. बिल्डिंग में रहते थे। मंगलवार को सुबह अपने फ्लैट की बालकनी से उन्होंने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस जांच अधिकारी सुनील जाधव ने बताया कि विमलेश को घायल अवस्था में राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी रमा ने बताया कि अपने कामकाज को लेकर वे मानसिक रूप से तनाव में थे। उनकी पत्नी की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है लेकिन पुलिस आगे की जांच कर है। बता दें कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद वह उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग में कार्यरत थे। मुंबई में यूपी के टूरिज्म विभाग में पोस्टेड विमलेश का कार्यालय वर्ल्ड ट्रेड सेंटर कुलाबा में है।

मोबाइल गेम के चलते युवाओं की मानसिकता आक्रामकता!

झगड़े, गाली-गलौज, और मार-पीट के साथ खून करने में भी पीछे नहीं हटते

मुंबई : आधुनिक युग में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और आक्रामकता वाले मोबाइल गेम के चलते युवाओं की मानसिकता भी आक्रामकता वाली हो रही है। तुरंत गुस्सा होना और बिना सोचे-समझे कठोर कदम उठा लेना युवाओं की मानसिकता का हिस्सा बन रहा है। आज के युवा झगड़े, गाली-गलौज, और मार-पीट के साथ खून करने में भी पीछे नहीं हटते हैं। यू कहें कि युवाओं की मानसिकता अब खूनी हो रही है। मानसिक बीमारियों का इलाज करने वाले डॉक्टरों ने युवाओं में बढ़ाते आक्रामकता को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस विषय को लेकर कई डॉक्टर युवाओं में सुधार के लिए समुपदेशन दे रहे हैं।

हाल ही में एक खबर आई कि एक युवा ने अपने मां को इसलिए मार दिया क्योंकि वह मोबाइल देखने से मना कर रही थी, दूसरी तरफ चार युवाओं ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। ऐसे तमाम खबरें रोजमर्रा की जिंदगी में सुनने को आ रही है। युवाओं का खून गर्म होता है ऐसी कहावत है लेकिन अब उनकी मानसिकता भी गर्म हो गई है। तुरंत झगड़े को उतारू, मारपीट और खून करने तक में युवा पीछे नहीं हटते, उनकी मानसिकता अब न सिर्फ बदल रही है, बल्कि उग्र भी हो रही है। डॉक्टरों का मानना है कि इसके लिए मौजूदा तकनीकी भी कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। मोबाइल में आये नए नए गेम में युवाओं को आक्रामक बनाया जा रहा है। उनकी मानसिकता में एक प्रकार से जहर घोला जा रहा है। इसके अलवा टीवी पर आपराधिक और गुंडा प्रवृति को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने वाली फिल्में भी दोषी हैं। मोबाइल के चलते युवाओं और उनके परिवारों के बीच भावनात्मक दूरी बन रही है, जिसका परिणाम यह है कि अच्छी सोच और कुशल व्यवहार की उनमें कमी आ रही है। इसके विपरीत उनमें क्रोध बढ़ रहा है और संयम शक्ति कम हो रही है। मनोचिकित्सक डॉ. प्राची चिवटे ने बताया कि पिछला दो साल कोरोना के खतरे के साए में बीता है। इस भयानक महामारी के कारण लोगों ने अपनों को ही नहीं, बल्कि नौकरी और पैसे को भी खोया है। साथ ही दिहाड़ी पर काम करनेवाले लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ा।

धोखाधड़ी को लेकर दो के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे : ठाणे पुलिस ने दस्तावेजों को प्रमाणित करने वाले अधिकारी (नोटरी) से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर के आरोप में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि नोटरी की शिकायत के अनुसार, पड़ोसी मुंबई के बोरीवली के रहने वाले आरोपियों ने दो मौकों पर जाली हस्ताक्षर किए और फरवरी 2020 व नवंबर 2021 में बनाए गए दो नोटरी दस्तावेजों पर जाली मुहर मुहर का इस्तेमाल किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक संपत्ति की बिक्री और कुछ उपकरणों की खरीद के संबंध में तैयार किए गए नोटरी दस्तावेजों में पंजीकरण संख्या भी नहीं थी।

मालिक, मुद्रक,प्रकाशक,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं 3 - 4,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट,सोनावला क्रॉस रोड नं 12,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1-ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email-editor@rokthoklekhaninews.com